दावोस में एएम ग्रीन समूह के साथ एमओयू, एक गीगावाट होगी क्षमता

ग्रेनो में सबसे बड़े डाटा सेंटर को दो लाख करोड़ का करार

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी में देश का सबसे बड़ा एआई डाटा सेंटर स्थापित होगा। एएम ग्रीन समूह ग्रेटर नोएडा में एक गीगावाट क्षमता के अत्याधुनिक कंप्यूटर डाटा सेंटर की स्थापना के लिए 2.27 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। दावोस (स्विट्जरलैंड) में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए एएम ग्रीन समूह के साथ ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। डाटा सेंटर वैश्विक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) वर्कलोड्स को सेवाएं देगा।

दावोस में मंगलवार को हुआ यह समझौता यूपी को देश का प्रमुख डाटा सेंटर व एआई हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। परियोजना के तहत दो चरणों में 2030 तक डाटा सेंटर एक गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब की पहली क्षमता की शुरुआत वर्ष 2028 तक हो जाएगी। परियोजना में 2.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक निवेश प्रस्तावित है, जो देश में अब तक के सबसे बड़े डाटा सेंटर निवेशों में एक होगा। डाटा सेंटर में लगभग 5 लाख अत्याधुनिक हाई-परफार्मेंस चिपसेट्स लगाए जाएंगे, जो हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी), एआई आधारित सेवाओं को गति देंगे। यह सुविधा वैश्विक हाइपरस्केलर्स, फ्रंटियर लैब्स, एंटरप्राइजेज और भारत की सावरेन एआई पहल को बड़े पैमाने पर सहयोग करेगी। यह डाटा सेंटर भारतीय डेवलपर्स को भी चिपसेट एक्सेस उपलब्ध कराएगा, जिससे देश में एआई साल्यूशन स्टैक का तेजी से विकास होगा। राज्य सरकार की डाटा सेंटर पालिसी, मजबूत औद्योगिक कारिडोर, कनेक्टिविटी, निवेशक अनुकूल माहौल का परिणाम है कि एएम ग्रीन ग्रुप ने परियोजना के लिए यूपी को चुना है। परियोजना कार्बन-फ्री ग्रीन एनर्जी पर आधारित होगी, जिसमें पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पंप्ड स्टोरेज का उपयोग किया जाएगा। इससे योगी सरकार की हरित ऊर्जा-सतत विकास की नीति को भी मजबूती मिलेगी।

एफडीआई को बढ़ावा P12

एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब की पहली क्षमता की शुरुआत 2028 तक

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की मौजूदगी में दावोस में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

04 साल में सेंटर की क्षमता एक गीगावाट पहुंचाने का लक्ष्य

05 लाख सेमीकंडक्टर और एआई के लिए हाई-परफार्मेंस चिप्स

नोएडा एयरपोर्ट के पास ट्रेड सेंटर बनाने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास चीन की तर्ज पर इंटरनेशनल बिजनेस एंड ट्रेड सेंटर बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। यहां एक ही छत के नीचे देश के सभी प्रकार के उत्पाद उपलब्ध होंगे। लोगों को सामान खरीदने के लिए दूर नहीं जाना होगा। बीते दिनों अफसरों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक हुई थी, जिसमें मुख्यमंत्री ने अफसरों को चीन के यीवू मार्केट का उदाहरण देते हुए क्षेत्र में इंटरनेशनल बिजनेस एंड ट्रेड सेंटर की संभावना तलाशने के लिए कहा था। अफसरों ने इस परियोजना का खाका तैयार करना शुरू कर दिया है।

यमुना सिटी में काफी जगह

बिजनेस-ट्रेड सेंटर के लिए काफी जमीन चाहिए। जेवर में यमुना सिटी नया शहर बस रहा है, यहां अधिकांश भूमि खाली है। अफसरों ने यमुना एक्सप्रेसवे किनारे सेक्टर-28, 29, 30ए, 30बी और 31 में इसकी योजना तैयार की है। कंसल्टेंट कंपनी के जरिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट बनेगी।

चीन की यीवू मार्केट नजीर

चीन में यीवू बाजार अनोखी, सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए जाना जाता है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यहां उत्पादों को छह अलग-अलग जोन (डिस्ट्रिक्ट) में वर्गीकृत है। हर डिस्ट्रिक्ट 3.70 लाख वर्गमीटर का है। बाजार में इलेक्ट्रॉनिक सामान, खिलौने, फर्नीचर, हस्तशिल्प, स्टेशनरी समेत हर तरह के उत्पाद हैं।

दावोस में हुए एमओयू

- सौर ऊर्जा, सोलर माड्यूल के लिए 10,500 करोड़ का निवेश
- लखनऊ में स्वीडिश कंपनी की 500 करोड़ से निर्माण यूनिट
- टीडब्ल्यूआई समूह 1100 करोड़ से पहला हाइब्रिड ईवी बाइक संयंत्र लगाएगा।
- दावोस में एआई, सोलर, ईवी व रक्षा क्षेत्रों में निवेश को विस्तार पर सहमति

कार्गो से सामान निर्यात

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कई प्रदेशों से कनेक्टिविटी होगी। एयरपोर्ट से कार्गो फ्लाइट भी शुरू होगी। ऐसे में यमुना सिटी में बनने वाली इस मार्केट से देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेश तक आसानी से सामान का निर्यात किया जा सकेगा।